



GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

CIN U20299DL1986 NPL023253

EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

EPCH HOUSE, POCKET 6 & 7, SECTOR 'C', LOCAL SHOPPING CENTRE, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070

Tel: +91-11-26135256

Fax: +91-11-26135518,26135519

Email: press@epch.com

web: www.epch.in

28 January, 2021

EPCH PRESS RELEASE

NORDIC MARKET OF EUROPE – AN EXCLUSIVE BUYER SELLER MEET OF INDIAN HANDICRAFTS OPENS TODAY ON VIRTUAL PLATFORM

New Delhi – 28th January 2021 (Wednesday) - The Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) in coordination of Indian Embassies in Denmark, Finland, Norway, Sweden is organizing the “Virtual Buyer Seller Meet of Indian Handicrafts Manufacturers & Exporters with buyers of NORDIC region in Europe from 27-29 January, 2021, over 158 accredited manufacturers and exporters from all parts of India are displaying the wide range of handcrafted products at Virtual BSM, said Dr. Rakesh Kumar, Director General – EPCH.

Dr. Rakesh Kumar informed that during the inaugural ceremony organized on virtual platform, Shri Shantmanu, Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles, Govt. of India, H.E. Mr. Tanmaya Lal, Ambassador, Embassy of India, Sweden & Latvia, H.E. Mr. Ajit Gupte, Ambassador, Embassy of India, Denmark, H.E. Dr. B. Bala Bhaskar, Ambassador, Embassy of India, Norway, H.E. Mr. Raveesh Kumar, Ambassador, Embassy of India, Finland & Estonia have extended their wishes to EPCH for organizing its 1st Virtual Buyer Seller Meet in NORDIC Region of Europe reflecting the indomitable spirit of the handicraft exporting fraternity to continue furthering the efforts to strengthen the Handicrafts Sector.

Mr. Shantmanu, Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles, Govt. of India in his address welcomed all the buyers and exhibitors and also thanked Indian Missions of NORDIC region in promoting the Virtual BSM amongst buyers in their respective countries.

H.E. Mr. Tanmaya Lal, Ambassador, Embassy of India, Sweden & Latvia said that the quality and range of the handicrafts showcased in this virtual buyer seller meet is truly amazing and this is a wonderful opportunity for Swedish buyers to connect and source from Indian handicrafts exhibitors. In addition to the strong political engagement, Trade and investment linkages along with technology and innovation provide the strong basis for this relationship. It is exciting to note the rapidly intensifying business linkages – trade & investment - although COVID has stalled the progress a little bit.

H.E. Mr. Ajit Gupte, Ambassador, Embassy of India, Denmark has also invited the importers, whole sellers, retail stores, buying representatives and stakeholders, Associations, Business Chambers and Indian Diaspora in Denmark to be a part of this virtual event and connect with the Indian exporters to source their requirement and make business relations.

H.E. Dr. B. Bala Bhaskar, Ambassador, Embassy of India, Norway speaking on the occasion said that this virtual BSM is an opportunity to portray diversity of India, which the world is appreciative of. This will also be an opportunity to present to the world India's abundant skills, competitive edge and adherence to quality compliances to the world.

H.E. Mr. Raveesh Kumar, Ambassador, Embassy of India, Finland & Estonia during the inauguration said that the Nordic Region is yet to emerge as a major export destination for Indian handicrafts. We need to do build more awareness of what we produce and more roadshows showcasing the quality of the product by understanding buyers taste and preference.

Speaking on the occasion, Mr. Ravi K. Passi, Chairman-EPCH welcomed all to the Virtual Buyer Seller Meet. He informed that this Virtual BSM will provide a digital marketing opportunity to the exhibitors and buyers. It is expected that this virtual Buyer-Seller-Meet in coordination with Indian Embassies will lead to a growth in Indo-NORDIC region Trade, economy and people to people relations, said Mr. Ravi K. Passi, Chairman-EPCH. The office of Development

Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles, Govt. of India has sponsored above BSM. In 1st day of BSM, about 200 buyers visited digital platform of BSM and interacted with participants, said Mr. Ravi Passi, Chairman-EPCH.

Dr. Rakesh Kumar, Director General, EPCH shared the journey of IHGF Delhi Fair since 1994 as the show has gone from strength to strength to be recognized as largest congregation of handicraft exporters under one roof as certified by Limca Book of World Records. Dr. Kumar informed the objective of organizing this Virtual Buyer-Seller Meet is match-making on virtual platform of Indian companies with the Nordic and European buyers & companies interested in sourcing Handicrafts, Gifts, Furniture, Fashion, Lifestyle products for the countries in NORDIC Region of Europe & other markets thereby creating a 'Brand Image' of Indian Handicrafts amongst NORDIC buyers of Europe. Indian Craftsmanship, Ethnic Designs and colours are unique and have no comparison with products from other countries, said Dr. Rakesh Kumar, Director General, EPCH.

For more information, please contact:

DR. RAKESH KUMAR, DIRECTOR GENERAL – EPCH 9818272171

PHOTO 1 – MR. RAVI PASSI, CHAIRMAN-EPCH ADDRESSING THE GATHERING ON THE OCCASION OF VIRTUAL INAUGURATION OF BUYER SELLER MEET OF INDIAN HANDICRAFTS IN DENMARK, FINLAND, NORWAY AND SWEDEN FROM 27-29 JANUARY, 2021

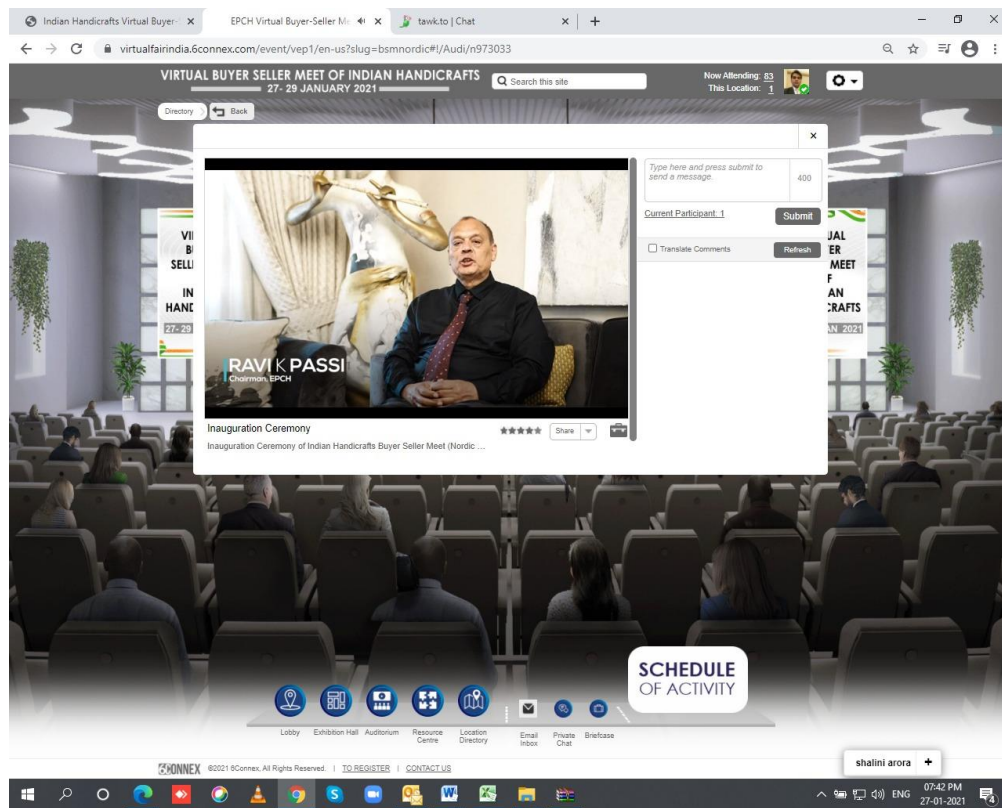
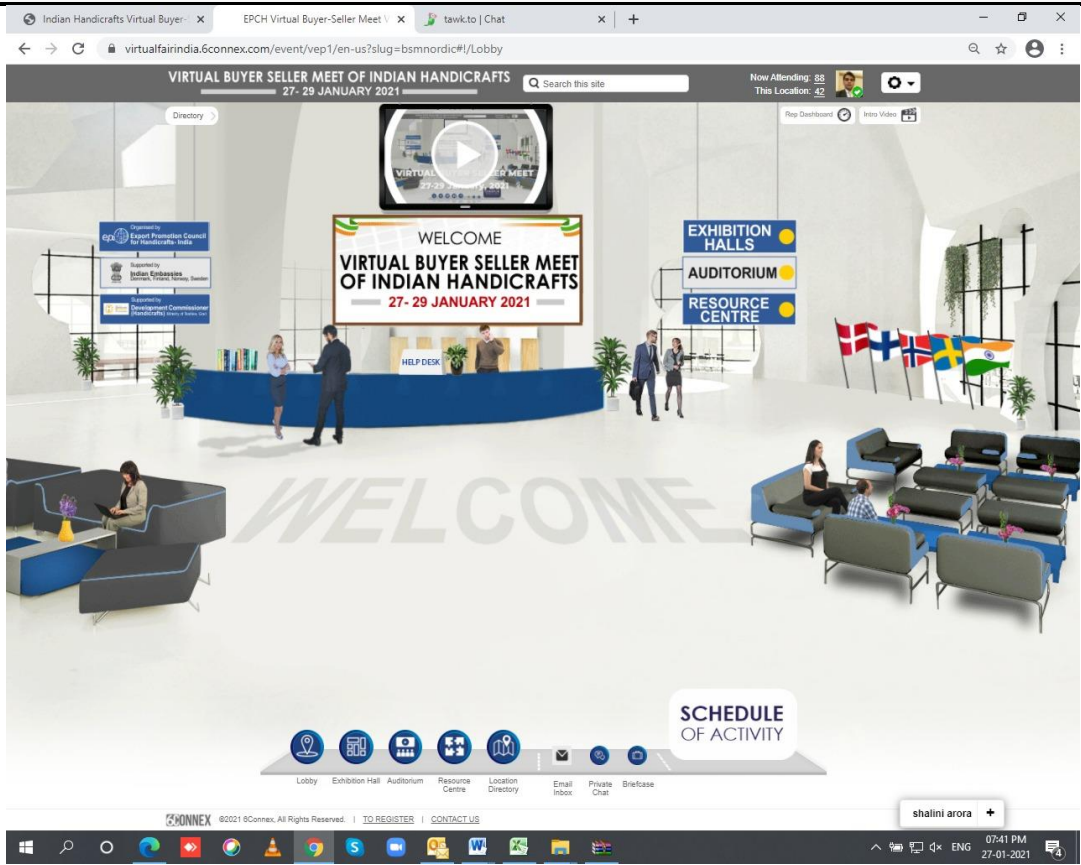


PHOTO 2 – GLIMPSE OF THE BUYER SELLER MEET OF INDIAN HANDICRAFTS IN DENMARK, FINLAND, NORWAY AND SWEDEN FROM 27-29 JANUARY, 2021



ईपीसीएच प्रेस विज्ञप्ति

यूरोप के नॉर्डिक बाजार- भारतीय हस्तशिल्प की एक्सक्लूसिव बायर सेलर मीट (विक्रेता- ग्राहक मीट) का वर्चुअल प्लेटफार्म पर उद्घाटन आज

नई दिल्ली, 28 जनवरी 2021 (बुधवार) – डेनमार्क, फिनलैंड, नॉर्वे, स्वीडन के भारतीय दूतावासों के समन्यवय से हस्त शिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) ने “वर्चुअल बायर्स सेलर्स मीट ऑफ इंडियन हैंडीक्राफ्ट्स मैन्यूफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्ट्स विद् बायर्स ऑफ नॉर्डिक (एनओआरडीआईसी) रीजन्स इन यूरोप” का आयोजन किया है। ईपीसीएच के महानिदेशक डॉक्टर राकेश कुमार ने जानकारी दी कि 27 जनवरी से 29 जनवरी, 2021 तक चलने वाले इस वर्चुअल मोड के बायर सेलर मीट (ग्राहक विक्रेता मीट) के आयोजन में देश के कोने-कोने से 158 मान्यता प्राप्त निर्माता और निर्यातक विभिन्न हस्तशिल्प उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं।

डॉक्टर राकेश कुमार ने यह भी बताया कि वर्चुअल मोड और प्लेटफार्म पर हुए इस आयोजन के उद्घाटन में भारत सरकार के कपडा मंत्रालय के हस्तशिल्प विकास आयुक्त श्री शांतमनु, स्वीडन और लात्विया के भारतीय दूतावास में राजदूत महामहिम

श्री तन्मय लाल, डेनमार्क के भारतीय दूतावास में राजदूत महामहिम श्री अजित गुप्ते, नॉर्वे के भारतीय दूतावास में राजदूत महामहिम श्री (डॉ.) बी.बाला भास्कर, फिनलैंड और एस्टोनिया के भारतीय दूतावास में राजदूत महामहिम श्री रवीश कुमार ने शुभकामनाएं देते हुए ईपीसीएच को यूरोप के नॉर्डिक (एनओआरडीआईसी) क्षेत्र में पहली वर्चुअल बायर सेलर मीट कराने के लिए बधाई दी और कहा कि यह हस्तशिल्प निर्यातक समुदाय द्वारा हस्तशिल्प सेक्टर को ताकत देने वाले लगातार प्रयासों को दर्शाता है।

भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय के हस्तशिल्प विकास आयुक्त श्री शांतमनु ने अपने भाषण में सभी ग्राहकों और प्रदर्शकों का स्वागत किया और साथ ही नॉर्डिक क्षेत्र के सभी भारतीय दूतावासों के प्रति आभार व्यक्त किया कि उन्होंने अपने अपने देशों में इस वर्चुअल बायर सेलर मीट का प्रचार प्रसार और प्रोत्साहन किया।

स्वीडन और लात्विया के भारतीय दूतावास में राजदूत महामहिम श्री तन्मय लाल ने कहा कि इस वर्चुअल बायर सेलर मीट में प्रदर्शित हस्तशिल्प की गुणवत्ता और रेंज सभी को हैरान करने वाली हैं। यह स्वीडन के ग्राहकों के लिए भारतीय हस्तशिल्प उत्पादकों और प्रदर्शकों से सीधे जुड़ने और सीधे क्रय करने का शानदार अवसर है। दोनों देशों के बीच बेहतरीन और अटूट राजनीतिक संबंधों के साथ ही व्यापार, निवेश के संबंध तकनीक और नवाचार के रिश्ते दोनों देशों के बीच एक मजबूत जुड़ाव का आधार हैं। उन्होंने कहा कि यह और भी रोमांचित करने वाला तथ्य है कि आज दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश के ये संपर्क और संबंध लगातार तेजी से बढ़ रहे हैं भले ही कोविड ने इस प्रक्रिया को थोड़ा धीमा कर दिया है।

डेनमार्क के भारतीय दूतावास में राजदूत महामहिम श्री अजित गुप्ते ने डेनमार्क के निर्यातकों, थोक विक्रेताओं, फुटकर स्टोर्स, बायिंग प्रतिनिधि और शेयरधारकों, संगठनों, व्यापारिक चैंबर्स और प्रवासी भारतीयों को इस वर्चुअल आयोजन का हिस्सा बनने और भारतीय निर्यातकों से सीधे जुड़ने और अपनी आवश्यकता के अनुसार क्रय करने और व्यापारिक रिश्ते बनाने के लिए आमंत्रित किया है।

नॉर्वे के भारतीय दूतावास में राजदूत महामहिम श्री (डॉ.) बी.बाला भास्कर ने इस पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह वर्चुअल बायर सेलर मीट विश्व भर में प्रसिद्ध और सम्मानित भारतीय विविधता के प्रदर्शन का एक शानदार अवसर है। यह विश्व को भारत का विविध और व्यापक कौशल, प्रतिस्पर्धात्मक वृत्ति और वैश्विक गुणवत्ता मानकों के पालन का प्रदर्शन करने का भी शानदार अवसर है।

फिनलैंड और एस्टोनिया के भारतीय दूतावास में राजदूत महामहिम श्री रवीश कुमार ने उद्घाटन के दौरान कहा कि भारतीय हस्तशिल्प के लिए नॉर्डिक क्षेत्र अभी भी प्रमुख निर्यात स्थल नहीं बन सका है। ऐसे में हम क्या उत्पादन कर रहे हैं इसके बारे में इस क्षेत्र में हमें ज्यादा जागरूकता लाने की जरूरत है। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि हम यहां के ग्राहकों के रुचि और प्राथमिकताओं के हिसाब से उच्च गुणवत्ता वाली वस्तुओं के लिए रोडशो जैसे आयोजन करें।

इस अवसर पर ईपीसीएच के चेयरमैन रवि के पासि ने वर्चुअल बायर सेलर मीट में सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह वर्चुअल बायर सेलर मीट प्रदर्शकों और ग्राहकों के बीच एक डिजिटल मार्केटिंग विकल्प उपलब्ध कराने वाला है। उन्होंने उम्मीद जताई भारतीय दूतावासों के सहयोग से आयोजित यह बायर सेलर मीट भारत और नॉर्डिक क्षेत्रों के बीच व्यापार, अर्थव्यवस्था और लोगों के बीच सीधे संपर्क विकसित करने में सहायक सिद्ध होगी। भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय के हस्तशिल्प विकास आयुक्त कार्यालय ने इस बायर सेलर मीट को प्रायोजित किया है। ईपीसीएच के चेयरमैन श्री रवि के पासि ने यही जानकारी भी दी कि इस आयोजन के पहले दिन करीब 200 ग्राहकों ने बायर सेलर मीट के डिजिटल प्लेटफार्म पर शिरकत की और प्रदर्शकों से संवाद किया।

ईपीसीएच के महानिदेशक ने इस अवसर पर ईपीसीएच की यात्रा पर प्रकाश डाला कि कैसे वर्ष 1994 से आयोजित हो रहा आईएचजीएफ दिल्ली मेला धीरे-धीरे इतना विशाल हो चुका है कि अब लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स ने इसे विश्व में एक छत के नीचे हस्तशिल्प निर्यातकों के सबसे बड़े समागम के रूप में मान्यता दे दी। उन्होंने इस वर्चुअल बायर सेलर मीट के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आयोजन भारतीय कंपनियों और निर्यातकों और नॉर्डिक क्षेत्र समेत पूरे यूरोप के ग्राहकों के बीच एक वर्चुअल समागम स्थल साबित होगा। उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प, गिफ्ट्स, फर्नीचर, फैशन, जीवनशैली के उत्पादों को क्रय करने में रुचि रखने वाले नॉर्डिक क्षेत्र समेत पूरे यूरोप के ग्राहकों, कंपनियों और बाजारों के बीच यह आयोजन भारतीय हस्तशिल्प की 'ब्रांड इमेज' भी स्थापित करेगा। ईपीसीएच के महानिदेशक डॉ. (श्री) राकेश कुमार ने कहा कि भारतीय हस्तशिल्प शिल्पकारी, पारंपरिक डिजाइन और रंगों की वजह से पूरे विश्व में विशिष्ट स्थान रखते हैं और किसी भी देश के हस्तशिल्प उत्पाद इनका मुकाबला नहीं कर सकते हैं।

ज्यादा जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

डॉ.राकेश कुमार, महानिदेशक, ईपीसीएच – +919818272171

Follow us on #epchindia

